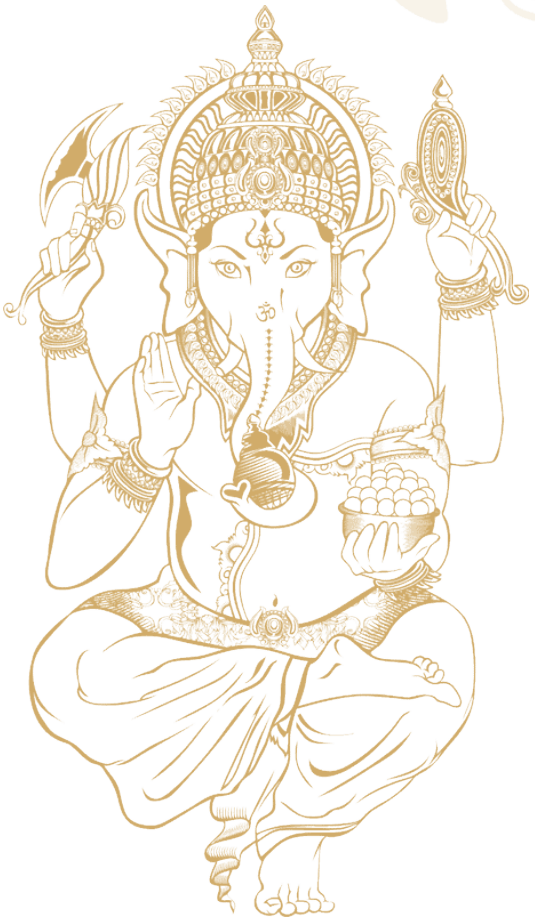

Harsit

05 Jun 2004

05:45 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121603403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/06/2004**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**17:45:00 घंटे**
इष्ट	30:54:44 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:23:52 घंटे
वेलान्तर	00:01:29 घंटे
साम्पातिक काल	10:20:55 घंटे
सूर्योदय	05:23:06 घंटे
सूर्यास्त	19:16:24 घंटे
दिनमान	13:53:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:14:40 वृष
लग्न के अंश	02:32:55 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुक्ल
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:32:55	306:50:11	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			वृष	21:14:40	00:57:24	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	24:22:58	14:58:45	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			मिथु	24:30:51	00:37:50	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
बुध			वृष	06:02:29	01:53:33	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
गुरु			सिंह	16:26:23	00:05:19	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र	व	अ	वृष	25:45:08	00:36:47	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	स्वराशि
शनि			मिथु	18:42:44	00:07:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	16:53:51	00:04:25	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	16:53:51	00:04:25	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	12:52:10	00:00:15	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	21:22:55	00:00:36	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	27:08:53	00:01:35	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	09:22:52	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:57

लग्न-चलित

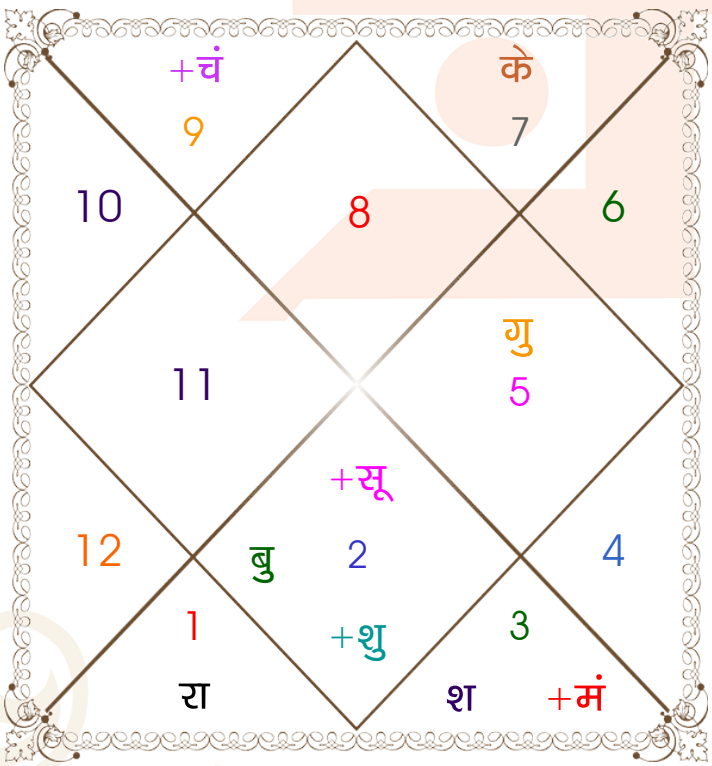

चन्द्र कुंडली

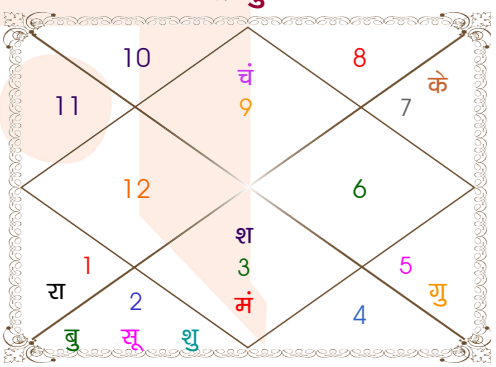

नवमांश कुंडली

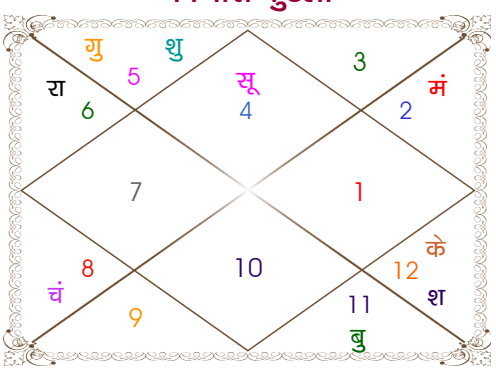

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 5 मास 3 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/06/2004		09/11/2007		08/11/2013		09/11/2023		08/11/2030	
09/11/2007		08/11/2013		09/11/2023		08/11/2030		08/11/2048	
	00/00/0000	सूर्य	26/02/2008	चंद्र	08/09/2014	मंगल	06/04/2024	राहु	22/07/2033
	00/00/0000	चंद्र	27/08/2008	मंगल	10/04/2015	राहु	24/04/2025	गुरु	15/12/2035
	00/00/0000	मंगल	02/01/2009	राहु	08/10/2016	गुरु	31/03/2026	शनि	21/10/2038
	00/00/0000	राहु	26/11/2009	गुरु	07/02/2018	शनि	10/05/2027	बुध	09/05/2041
	00/00/0000	गुरु	15/09/2010	शनि	09/09/2019	बुध	06/05/2028	केतु	28/05/2042
	00/00/0000	शनि	28/08/2011	बुध	07/02/2021	केतु	02/10/2028	शुक्र	28/05/2045
	05/06/2004	बुध	03/07/2012	केतु	08/09/2021	शुक्र	02/12/2029	सूर्य	21/04/2046
बुध	08/09/2006	केतु	08/11/2012	शुक्र	10/05/2023	सूर्य	09/04/2030	चंद्र	21/10/2047
केतु	09/11/2007	शुक्र	08/11/2013	सूर्य	09/11/2023	चंद्र	08/11/2030	मंगल	08/11/2048

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
08/11/2048		08/11/2064		09/11/2083		09/11/2100		10/11/2107	
08/11/2064		09/11/2083		09/11/2100		10/11/2107		00/00/0000	
गुरु	27/12/2050	शनि	12/11/2067	बुध	06/04/2086	केतु	07/04/2101	शुक्र	11/03/2111
शनि	09/07/2053	बुध	22/07/2070	केतु	03/04/2087	शुक्र	07/06/2102	सूर्य	10/03/2112
बुध	15/10/2055	केतु	31/08/2071	शुक्र	01/02/2090	सूर्य	13/10/2102	चंद्र	09/11/2113
केतु	20/09/2056	शुक्र	30/10/2074	सूर्य	09/12/2090	चंद्र	14/05/2103	मंगल	09/01/2115
शुक्र	22/05/2059	सूर्य	12/10/2075	चंद्र	09/05/2092	मंगल	10/10/2103	राहु	09/01/2118
सूर्य	09/03/2060	चंद्र	13/05/2077	मंगल	06/05/2093	राहु	28/10/2104	गुरु	09/09/2120
चंद्र	09/07/2061	मंगल	21/06/2078	राहु	24/11/2095	गुरु	04/10/2105	शनि	10/11/2123
मंगल	15/06/2062	राहु	27/04/2081	गुरु	01/03/2098	शनि	12/11/2106	बुध	06/06/2124
राहु	08/11/2064	गुरु	09/11/2083	शनि	09/11/2100	बुध	10/11/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 5 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।